भारत सरकार

पर्यटन मंत्रालय

लोक सभा

लिखित प्रश्न सं. +1297

शनिवार, **19** सितम्बर, **2020/28** भाद्रपद**, 1942 (**शक)

को दिया जाने वाला उत्तर

इको-पर्यटन परियोजना

+1297. श्री उत्तम कुमार रेड्डीः

क्या पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) अमराबाद टाइगर रिजर्व में और इसके आस-पास कार्यान्वित की जा रही इको-पर्यटन परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार द्वारा इन परियोजनाओं के विकास के लिए कितनी निधि आबंटित की गई है;

(ग) इन परियोजनाओं द्वारा कितनी नौकरियों का सृजन होगा;

(घ) क्या इन नौकरियों में स्थानीय जनजातीय आबादी के लिए कोई आरक्षण है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है; और

(ङ) क्या इन परियोजनाओं के कारण पर्यावरण को होने वाले किसी नुकसान को रोकने के लिए कोई कदम उठाए गए हैं और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है**?**

उत्तर

पर्यटन राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) (श्री प्रहलाद सिंह पटेल)

(क) : पर्यटन स्थलों और उत्पादों का विकास और संवर्धन मुख्य रूप से संबंधित राज्य सरकारों / संघ शासित प्रदेशों का दायितव है। पर्यटन मंत्रालय तेलंगाना सहित विभिन्न राज्य सरकारों / संघ शासित प्रदेशों को धन की उपलब्धता, अंतर-वरीयता प्राथमिकता और योजना के दिशानिर्देशों का पालन की शर्त पर प्रतिवर्ष उनके साथ परामर्श करके प्राथमिकता प्रदत्त रूप से विभिन्न पर्यटन परियोजनाओं के लिए केंद्रीय वित्तीय सहायता (सीएफए) प्रदान करता है,

इसके अलावा वन्य विभाग, तेलंगाना सरकार द्वारा सूचित किया गया है कि तेलंगाना वन विभाग द्वारा अमराबाद टागर रिजर्व में और उसके आसपास निम्नलिखित समुदाय आधारित इको पर्यटन परियोजनएं स्थापित की गई हैं:-

1) फराहाबाद गेट से फराहाबाद व्यू पॉइंट तक वन्यजीव सफारी; मेन रोड से आने और जाने की **16** किमी की दूरी ।

2) डोमालपेंटा में ऑक्टोपस व्यू प्वाइंट, मेनरोड से **200** मीटर की दूरी

3) मन्नानुर में डायोरामास, मॉडल, पोस्टर, ऑडियो दृश्य उपकरण सहित छोटे सभागार के साथ पर्यावरण शिक्षा केंद्र

4) सभी इको-पर्यटन गतिविधियाँ कम्युनिटी बेस्ड सर्विसेज (सीबीईटी) है जैसे:

क) ऑपरेटिंग ट्विन बेडेड कॉटेज- मन्नानुर में 10 बैड

ख) रात के नौ बजे के प्रतिबंधों के कारण मन्नानूर चेक पोस्टों में फंसे हुए यात्रियों के लाभ के लिए मन्नानुर में **40** बिस्तरों के साथ ऑपरेटिंग डॉर्मिटरी।

ग) मल्लेलातीर्थम जलप्रपात के लिए पहुंच मार्ग का विकास मुख्य मार्ग से **8** किमी दूर।

5) वाहन यातायात की जांच और नियमन के लिए राजमार्ग पर टाइगर रिजर्व के दोनों तरफ मन्नानूर और डोमलपेंटा में चेक पोस्ट। प्रतिदिन सांय **9.00** बजे से सुबह **6.00** बजे के बीच वाहन की आवाजाही प्रतिबंधित है।

6) मन्नानुर में स्मारिका दुकान का संचालन ।

7) डोमलपेंटा में वनमयूरी गेस्ट हाउस का संचालन।

(ख): पर्यटन मंत्रालय, भारत सरकार ने स्वदेश दर्शन योजना के तहत तेलंगाना राज्य में महबूबनगर जिले में इको पर्यटन सर्किट के एकीकृत विकास की परियोजना के लिए वर्ष 2015-16 के दौरान **9162.10** लाख रुपए की राशि स्वीकृत की है। संस्वीकृति के अन्तर्गत कवर किए गए गंतव्य सोमासिला जलाशय, सिंगोतम जलाशय, अक्का महादेवी गुफाएं, कदालीवनम, श्रसैलम, फराहाबाद, मल्लेलातीर्थम और उमामहेश्वरी मंदिर हैं।

वन विभाग, तेलंगाना सरकार ने सूचित किया है कि इकोपर्यटन परियोजनाओं के लिए सरकार द्वारा आवंटित धन इस प्रकार हैं:

(रु लाख में)

क्र.सं.	कार्यकलाप	योजना	आवंटित धनराशि
i.	प्रदर्शन और दृश्य श्रव्य उपकरणों के साथ पर्यावरण शिक्षा केंद्र का आधुनिकीकरण।	कैमपा –बीडीसी घटक	**3.20**
ii.	फरहाबाद में सफारी की सुविधाएं के लिए दो वाहनों की खरीद	तेलंगाना जैव विविधता संरक्षण समिति	**12.55**
iii.	सफारी ड्राइव के लिए मौजूदा सड़कों के नेटवर्क का सुधार।	कैमपा –बीडीसी घटक	**15.00**
iv.	प्रवेश द्वार और सुरक्षा अवरोध के साथ ऑक्टोपस व्यू पॉइंट का विकास।	कैमपा –बीडीसी घटक	**6.50**
v.	विकास कार्य जिनमें सुरक्षा द्वार सहित मालेल तीर्थम जलप्रपात के पहुंच मार्ग और सीढ़ियों का विकास	कैमपा –बीडीसी घटक	**15.00**

• इको-पर्यटन परियोजनाओं के संचालन और रखरखाव प्रवेश शुल्क, गाइड और सफ़ारी सेवाओं, कोटेज के किराए, डॉरमेट्री, गेस्ट हाउससेट आदि में से स्व-वित्तपोषित हैं।
• सीबीईटी के अन्तर्गत इको पर्यटन गतिविधियों से होने वाली आय टाइगर कंजर्वेशन फाउंडेशन के खाते में जमा की जाती है जो एक पंजीकृत सोसायटी है।

(ग) : तेलंगाना सरकार ने सूचित किया है कि इन परियोजनाओं के अन्तर्गत नीचे दिए गए विवरण के अनुसार नौकरियां प्रत्यक्ष या अप्रत्यक्ष रोजगार के माध्यम से 130 की संख्या में सृजित की गई हैं:

i.	सोमशिला जलाशय -	**30**
ii.	सिंगोतम जलाशय -	**22**
iii.	अक्का महादेवी गुफाएँ -	**4**
iv.	श्रीशैलम (ईगलापेंटा) -	**30**
v.	फराहाबाद -	24
vi.	मल्लेलतीर्थम -	**5**
vii.	उमा माहेश्वरी मंदिर -	**15**
	कुल-	130

(घ) : वन विभाग, तेलंगाना के सरकार ने सूचित किया है इको-पर्यटन आधारित **80%** नौकरियां केवल चेंचू (एक आदिम जनजातीय समूह) समुदाय के लिए आरक्षित हैं। वर्तमान में स्थानीय चेन्चू के **34** में से **28** परिवार समुदाय आधारित इको-पर्यटन परियोजना (सीबीईटी) में काम कर रहे हैं।

(ड.) वन विभाग, तेलंगाना सरकार ने पर्यावरण की किसी भी गड़बड़ी और क्षति को रोकने के लिए निम्नलिखित कदम उठाए हैं:

• पूरे अमराबाद टाइगर रिजर्व में प्लास्टिक पूरी तरह से प्रतिबंधित है। जाँच चौकियों पर जाँच की जाती है।
• हैदराबाद-श्रीशैलम राजमार्ग के साथ टाइगर रिजर्व में प्रवेश **21.00**बजे से **06.00** बजे तक (अगले दिन) के बीच वाहन की आवाजाही के लिए बंद है।
• पर्यटकों को पर्यटन क्षेत्र के अलावा टाइगर रिजर्व के मुख्य क्षेत्र में प्रवेश करने की अनुमति नहीं है।
• कूड़ा बीनने वालों को कार्य पर रखकर टाइगर रिजर्व को साफ रखने के लिए किए गए उपायों के साथ ही मन्नानुर से डोमलापेंटा तक राष्ट्रीय राजमार्ग के किनारे इको-फ्रेंडली डस्टबिन उपलब्ध कराए गए हैं।

****